संपादकीय

पैसवा बबुआ धीरे-धीरे आयी

जैसा कि कवि ने कहा था कि समाजवाद बबुआ धीरे-धीरे आयी, वैसे ही काले धन का पंद्रह लाख रुपया भी बबुआ धीरे-धीरे आयी। जल्दी क्या है? अमित शाहजी ने कह ही दिया है कि हमें साठ साल रहना है तो जो लोग साठ साल रहे, वे जिस तरह से समाजवाद लाने के लिए प्रतिबद्ध थे, वैसे ही आगे साठ साल रहने वाले भी आपके खाते में पंद्रह लाख रुपया जमा कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बस आप धैर्य न खोएं क्योंकि एक ऐसे नेता भी हुए हैं जिन्होंने यह कहा बताते हैं कि जिंदा कौमें पांच साल इंतजार नहीं करतीं। अब अगर आप अपने को जिंदा कौम साबित करने में लग गए तो फिर मुश्किल हो जाएगी। कम से कम पंद्रह लाख रुपए से तो हाथ धो ही बैठेंगे। इसलिए धैर्य न खोएं और विश्वास रखें कि सरकार के मन में कोई खोट नहीं है। किसानों ने धैर्य खोया और वे नुकसान उठा रहे हैं। किसी का एक लाख रुपया माफ हो रहा है तो किसी का दो लाख जबकि उन्होंने पंद्रह लाख पाने का मौका गंवा दिया।

वैसे भी आपको सब कुछ चाहिए। साल में दो करोड़ नौकरियां भी चाहिए। कर्जा माफी भी चाहिए। फसलों के उचित दाम भी चाहिए। राशन की दुकानों से राशन भी चाहिए। सस्ता पेट्रोल और डीजल भी चाहिए और ऊपर से पंद्रह लाख रुपया अपने खाते में भी चाहिए। बताइए सरकार क्या-क्या दे आपको। वोट आपका एक और चाहिए, आपको इतनी चीजें। यह अच्छी बात नहीं। सरकार योजनाएं दे सकती है, चाहे जितनी ले लो, सरकार इवेंट करा सकती है, चाहे जितने करा लो। फिर जुमले और भाषण चाहे जितने सुन लो।

पर यह क्या बात हुई कि नौकरियां चाहिए, फसल का उचित दाम चाहिए और कर्ज माफी भी चाहिए। बेचारे जेटलीजी ने कितना समझाया कि भैया कर्ज माफी नहीं हो सकती। पर कोई समझने के लिए तैयार ही नहीं। हारकर उन्हें कहना पड़ा कि अपने बूते करते हो तो कर लो। पर किसानों ने एक लंगड़ी क्या मारी कि सरकार की भी अक्ल ठिकाने आ गयी। सो अब रामदास अठावले जी कह रहे हैं कि सरकार पंद्रह लाख देना तो चाहती है, पर उसके पास पैसा है ही नहीं और रिजर्व बैंक पैसा दे नहीं रहा। बेचारे उर्जित पटेलजी को लाओ पैसा दो, लाओ पैसा दो कह-कहकर इतना हड़काया कि बंदा रिजर्व बैंक छोड़कर ही भाग गया।

हालांकि लोग कहते थे कि वे तो अंबानीजी के रिश्तेदार थे। हो सकता है अब नया गवर्नर वह जो फालतू फंड पड़ा हुआ है, वह सरकार के हवाले कर दे, यह कहते हुए कि तेरा तुझको सौंपता, क्या लागे मेरा क्योंकि उनके बारे में लोग कह रहे हैं कि ये तो वही हैं, जिन्होंने नोटबंदी की इतनी तारीफ की थी। मतलब सरकार के भक्त हैं। सो उम्मीद न खोएं।

1 अप्रैल, 2019 से हर घर में लगने प्रारम्भ होंगे प्रीपेड मीटर

नई दिल्ली। 1 अप्रैल से प्रत्येक घर में प्रीपेड मीटर लगाना जरूरी कर दिया जाएगा. लोग अपने मोबाइल फोन के जरिए अपने बिजली मीटर को रिचार्ज कर सकेंगे. उपभोक्ताओं को बिल भेजे जाने की कवायद समाप्त होगी. बिजली कंपनियों पर बकाया का वजन नहीं रहेगा. बिजली की चोरी रोकने के लिए 1 अप्रैल से प्रत्येक घर में प्रीपेड मीटर लगाना जरूरी कर दिया जाएगा. केंद्र गवर्नमेंट ने 2022 का लक्ष्य रखा है, जिसके बाद लोगों को बिना मीटर को रिचार्ज कराए घर में बिजली की सप्लाई नहीं मिलेगी. उपभोक्ताओं को मोबाइल फोन की तरह बिजली को रिचार्ज कराना होगा. इसके पूरा होते ही उपभोक्ताओं के घर में बिजली का बिल पहुंचने के दिन खत्म हो जाएंगे.

उत्पादन बढ़ाने का सुझाव

बिजली मंत्री आरके सिंह ने मीटर निर्माताओं को स्मार्ट प्री-पेड मीटरों का उत्पादन बढ़ाने का सुझाव दिया. उन्होंने निर्माताओं से बोला कि आने वाले दिनों में इसकी बड़ी मांग होगी व उम्मीद है कि तीन वर्ष में सभी मीटर स्मार्ट प्री-पेड होंगे इसके कई फायदे होंगे, उपभोक्ताओं को बिल भेजे जाने की कवायद समाप्त होगी . बिजली कंपनियों पर बकाया का वजन नहीं रहेगा .उन्होंने अधिकारियों से बोला कि स्मार्ट मीटर के तमाम फायदों को ध्यान में रखते हुए इसके निर्माण को जरूरी करने पर विचार करें. इससे बिजली एरिया में क्रांति आएगी, नुकसान कम होंगे व बिजली वितरण कंपनियों की स्थिति सुधरेगी.

इतना आएगा खर्चा

मार्केट में फिल्हाल सबसे सस्ता सिंगल फेज प्रीपेड बिजली मीटर अभी 8 हजार रुपये का मिल रहा है . हालांकि अच्छी गुणवत्ता वाला मीटर खरीदने के लिए लोगों को 25 हजार रुपये खर्च करने पड़ेंगे .

घरों में लगेंगे प्रीपेड मीटर

उर्जा मंत्री आरके सिंह ने बोला कि 2022 तक पूरे राष्ट्र में 24X7 सभी को निर्बाध तरीके से बिजली मिल सकती है . यह करना भी महत्वपूर्ण होगा . प्रत्येक घर में बिजली को केवल प्रीपेड मीटर के जरिए सप्लाई किया जाएगा. बिना प्रीपेड मीटर के बिजली जलाने पर जुर्माना लगाया जाएगा.

मोबाइल फोन की मदद से होगा रिचार्ज

लोग अपने मोबाइल फोन के जरिए अपने बिजली मीटर को रिचार्ज कर सकेंगे. आरके सिंह ने बोला कि अब पॉवर कंपनी के कर्मचारी बिलिंग व कलेक्शन के कार्य में नहीं लगेंगे. न ही इन कर्मचारियों को मीटर की रिडिंग के लिए लगाया जाएगा.

लाइन लॉस को किया जाएगा कम

मीटिंग में लाइन लॉस को कम करने पर भी सहमति बनी व इसको जनवरी 2019 तक 15 प्रतिशत से नीचे लाया जाएगा. अभी राष्ट्र भर में लाइन लॉस कई राज्यों में 50 प्रतिशत से अधिक है. लाइन लॉस वो होता है, जब लोग कटिया डालकर या फिर कम लोड लेकर चोरी करके बिजली को जलाते हैं. प्रीपेड मीटर लग जाने के बाद लाइन लॉस कम होने की उम्मीद है, जिसके चलते आने वाले वक्त में बिजली की दरें कम हो सकती हैं.

बैंक ऑफ इंडिया में 10,086 करोड़ रुपये की पूंजी डालेगा केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। सरकार ने बैंक ऑफ इंडिया में 10,086 करोड़ रुपये की पूंजी डालने का निर्णय किया है। सरकारी स्वामित्व वाले बैंक ने शनिवार को यह जानकारी दी। सार्वजनिक क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक बैंकों में 28,615 करोड़ रुपये की पूंजी डालने की सरकार की योजना के तहत यह राशि बैंक ऑफ इंडिया को उपलब्ध कराई जाएगी।

बैंक ऑफ इंडिया ने नियामक को दी गई जानकारी में कहा है कि

वित्त मंत्रालय ने 26 दिसंबर को उसे पूंजी डाले जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शेयरों के तरजीही आबंटन के जरिए ये पूंजी डाली जाएगी। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्रों के सात बैंकों में पुनर्पूंजीकरण बॉन्ड के जरिए 28,615 करोड़ रुपये डालने का निर्णय किया है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 65,000 करोड़ रुपये की पूंजी डालने की घोषणा की थी। इसमें से 23,000 करोड़ रुपये पहले ही वितरित किए जा चुके हैं, जबकि शेष 42,000 करोड रुपये की पूंजी अभी उपलब्ध कराई जानी है। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस माह की शुरुआत में कहा कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 41,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त पूंजी डालेगी।

लगातार चौथे दिन पेट्रोल, डीजल के दाम में कटौती

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल के दाम रविवार को लगातार चौथे दिन घटने से उपभोक्ताओं को राहत मिली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में इस महीने आई भारी गिरावट के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतें साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। तेल विपणन कंपनियों ने दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में पेट्रोल के दाम में 22 पैसे और चेन्नई में 23 पैसे प्रति लीटर की कटौती की है.

100 रुपए के सिक्के के बाद अब सरकार जारी करेगी 75 रुपए का सिक्का

नई दिल्ली (आरएनएस)। पिछले दिनों सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की याद में 100 रूपए का सिक्का जारी किया था, अब सरकार 75 रूपए का सिक्का जारी करने जा रही है।

वित्त मंत्रालय की ओर से इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की ओर से पहली बार पोर्टब्लेयर में तिरंगा फहराने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 75 रुपये का स्मारक सिक्का यानी कोमेमोरेटिव कॉइन जारी होगा।

जानकारी के अनुसार 75 रुपये के इस सिक्के का वजन 35 ग्राम होगा। इसमें 50 फीसदी चांदी, 40 फीसदी तांबा और 5-5 फीसदी निकल, जिंक धातु होगी।

पावर बैंक लेना है तो इस कंपनी का ही खरीदें

आप पावर बैंक लेने का विचार बना रहे हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए एक ऐसे पावर बैंक के बारे में बताने जा रहे हैं जो कि बहुत ही दमदार है और उसकी कीमत भी कम है।आपको बता दें कि यदि आप पावर बैंक लेने का विचार बना रहे हैं। तो आपको स्क्व कंपनी का पावर बैंक खरीदना चाहिए क्योंकि Mi कंपनी के पावर बैंक आपको कम कीमत में

मिल जाते हैं और इनकी क्वालिटी भी काफी अच्छी होती है। क्वालिटी अच्छी होने के साथ-साथ इन पावर बैंक की बैटरी लाइफ भी अच्छी होती है।

इस समय हमारी कंपनी के मार्केट में 2 पावर बैंक उपलब्ध है। जिनके नाम Mi Power Bank Pro और Mi Power Bank wi है। आपको बता दें कि Mi Power Bank wi दो प्रकार की बैटरी छमता के साथ उपलब्ध है। इन पावर बैंक की कीमत इस प्रकार है।

10000mAh Mi Power Bank Pro - 1499/-

10000mAh Mi Power Bank 2i (Black) - 699/-

10000mAh Mi Power Bank 2i (Red) - 899/-

20000 mAh Power Bank 2i - 1399/-

रेलवे 2019 में करेगा बंपर भर्ती: 14000 जेई की आएगी वैकेंसी

नई दिल्ली। सहायक लोको पायलट, टेक्नीशियन और गैंगमैन के बाद रेलवे अब जल्द ही 14,000 जूनियर इंजीनियरों (जेई) की भर्ती करेगी. इनमें से ज्यादातर सुरक्षा से संबंधित पद होंगे. रेलवे सभी स्ट्रीम के डिप्लोमा डिग्रीधारकों को नौकरियों के अवसर प्रदान करेगी, जिसकी अधिसूचना शीघ्र जारी होगी. आवेदन पत्र 2 जनवरी से लेकर 31 जनवरी 2019 के बीच मंगाए जाएंगे.

वर्तमान में रेलवे 4,000 लोको पायलट, टेक्नीशियन और 62,000 गैंगमेन की भर्ती कर रही है जिसके लिए प्रथम चरण की भर्ती परीक्षा हो गई है.

आज का राशिफल

मेष: लक्ष्मीजी की कृपा आप पर बरसेगी, ऐसा गणेशजी कहते हैं। सामाजिक रूप से यश और कीर्ति में वृद्धि होने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। विवाह का आयोजन सफलतापूर्वक होगा लेकिन मध्याह्न के बाद आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृषभ: आज का दिन शुभफलदायी है। व्यवसाय में स्थिति अनुकूल रहेगी तथा आपके कार्य की प्रशंसा भी होगी। सामाजिक रूप से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य भी सरलतापूर्ण संपन्न होंगे और लाभ भी होगा। दांपत्य जीवन में आमोद-प्रमोद छाया रहेगा।

मिथुन: प्रतिस्पर्धियों और उच्च अधिकारियों के साथ वाद-विवाद न करने की गणेशजी की सलाह है। आमोद-प्रमोद से संबंधित वस्तुओं को खरीदने में खर्च अधिक होने की संभावना है। व्यावसायिक क्षेत्र में वातावरण अच्छा रहेगा।

कर्क: अनैतिक कार्य और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की गणेशजी की सलाह है। वाणी पर संयम रखें। परिवार में तकरार ना हो, इसका ध्यान रखें। मध्याह्न के बाद विदेश से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। संतान के भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

सिंह: स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप प्रसन्न रहेंगे। मित्रों तथा संबंधियों के साथ घूमने-फिरने की योजना बनाएंगे। सामाजिक रूप से सम्मान प्राप्त होगा। साझेदारों के साथ चर्चा सकारात्मक होगी।

कन्या: आपके स्वभाव में आज कुछ अधिक संवेदनशीलता रहेगी। कार्य सफलता से प्रफुल्लित रहेंगे। यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

तुला: अपनी बौद्धिक शक्ति से आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें इसलिए यात्रा को टाल दें। आकस्मिक खर्च के योग हैं। मध्याह्न के बाद कार्य-सफलता मिलने से मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक: आज विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। स्वभाव में हठीलापन छोड़कर आगे बढ़ेंगे तो अनेक समस्याओं का छुटकारा मिलेगा। नए वस्त्राभूषण तथा प्रसाधन के पीछे धन का खर्च अधिक होने की आशंका है।

धनु: शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य आज बना रहेगा। परिजनों के साथ प्रवास-पर्यटन का आयोजन बनेगा। मित्रों के साथ समय का आनंदपूर्वक सदुपयोग हो जाएगा।

मकर: आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। धार्मिक कार्यों और उपासना के पीछे धन का खर्च हो सकता है। मध्याह्न के बाद आपका मन प्रफुल्लता का अनुभव करेगा।

कुंभ: आज आध्यात्मिक विषयों की तरफ झुकाव अधिक रहेगा। शारीरिक प्रफुल्लता और मानसिक प्रसन्नता दिनभर बनी रहेगी। मध्याह्न के बाद आप धार्मिक कार्यों के प्रति आकर्षित रहेंगे।

मीन: धन के लेन-देन, उगाही या निवेश करते समय सावधानी बरतें, ऐसा गणेशजी कहते हैं। किसी के भी कार्य में विघ्न न डालें। वाणी और ोध पर संयम बरतें।

रामकथा सिखाती है जीवन जीने की कला

कथाव्यास कुलदीप जी ने कहा कि रामकथा जीवन जीने की कला सिखाती है. यह विशेष कथा है. कथा का विस्तार करते हुए कथाव्यास

कुलदीप जी ने कहा कि भगवान राम मुनि बाल्किमी से मिले. भगवान ने निवास की जगह जानी. महाऋषि ने रामजी को 14 निवास स्थान बताए और कहा कि रामजी आप चित्रकूट में वास करिए. भगवान चित्रकूट में रहते हैं. उन्होंने कथा के क्रम में यह सुनाया की आर्य सुमंत्र भगवान को छोड़कर वापस अवध लौटे. महाराज दशरथ से राम जी की कुशलता कही एवं उनका संदेश सुनाया. इतना सुनना था कि रामजी नहीं आए, महाराज दशरथ ने रामजी के प्रति अपने विशेष प्रेम में अपने प्राणों को त्याग दिया.

भारत की ऐतिहासिक जीत, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टेस्ट में 137 रनों से हराया

मेलबर्न। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टेस्ट में 137 रनों से हराया, भारत की ऐतिहासिक जीत। बता दे चौथे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कमिंस 103 गेंदों में 5 चौके और 1 छक्के के साथ 61 रन बना चुके थे, जबकि नाथन लियोन ने 6 रन बनाए. दोनों ने नौवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की. चौथे दिन के अंत तक ऑस्ट्रेलिया को करिश्माई जीत दर्ज करने के लिए 141 रन चाहिए था, जबकि भारत सीरीज में 2-1 से बढ़त लेने से दो विकेट दूर था। मेलबर्न में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 137 रनों से पीट दिया है. इसी के साथ ही विराट की सेना ने चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है. भारत ने 37 साल बाद मेलबर्न में कोई टेस्ट मैच जीता है. आखिरी बार भारत को 1981 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में जीत मिली थी. मौजूदा दौरे पर यह भारत की दूसरी जीत है. इससे पहले भारत ने एडिलेड टेस्ट 31 रनों से जीता था. ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत को सातवीं जीत हासिल हुई.

विराट ने दिया ऑस्ट्रेलियाई कॉमेंटेटर को तगड़ा जवाब

मेलबर्न। टीम इंडिया ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैच की सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच 137 रन से जीत कर इतिहास रच दिया. 399 रनों का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम 261 रनों पर आउट हो गई जिसमें पैट कमिंस ने सबसे ज्यादा 63 रन बनाए. भारत के कप्तान विराट कोहली ने जसप्रीत बुमराह जैसे खतरनाक गेंदबाज के उभरने का श्रेय भारत के 'शानदार घरेलू क्रिकेट ढांचे' को दिया जो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटरों कैरी ओकीफी और मार्क वा को माकूल जवाब है जिन्होंने कमेंटरी करते हुए अपमानजनक टिप्पणियां की थी.

भारतीय कप्तान ने बिना किसी का नाम लिए कहा, ''हमारा प्रथम श्रेणी ढांचा बेहतरीन है और यही कारण है कि हम जीत रहे हैं. इसका श्रेय भारत में प्रथम श्रेणी ढांचे को जाता है, जो भारत में हमारे तेज गेंदबाजों को चुनौती देता है और इससे उन्हें विदेशों में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलती है.'' लेकिन यह स्पष्ट था कि कोहली की प्रतिक्रिया पूर्व लेग स्पिनर ओकीफी के लिए थी.

जानिए अचारी गोभी बनाने की विधि

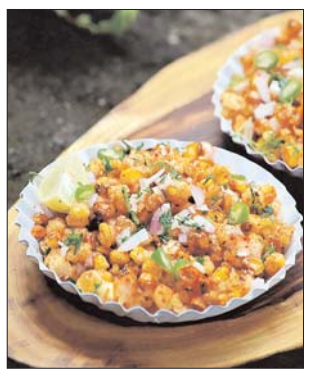

किसी भी जश्न का अहम हिस्सा हैं, खानपान। नए साल का जश्न अगर घर पर परिवार व दोस्तों के साथ मना रही हैं तो पार्टी में जान डालने की जिम्मेदारी इन स्नैक्स पर डालिए। कुछ मजेदार स्नैक्स की रेसिपी बता रही हैं गरिमा अवस्थी

सामग्री-

- स्वीट कॉर्न- 2 कप
- मैदा- 2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच
- अमचूर- 1 चुटकी
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- आवश्यकतानुसार

गार्निशिंग के लिए

- बारीक कटा प्याज-1
- नीबू का रस- 1 चम्मच
- बारीक कटी धनिया पत्ती

विधि- पैन में धीमी आंच पर तेल गर्म करें। एक बरतन में स्वीट कॉर्न, मैदा, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। एक चम्मच पानी डालें और मिलाएं ताकि मैदा स्वीट कॉर्न में अच्छी तरह से चिपक जाए। गर्म तेल में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में स्वीट कॉर्न डालें और सुनहरा होने तक तल लें। टिश्यू पेपर पर तले हुए स्वीट कॉर्न को निकाल लें। सारे स्वीट कॉर्न को तलने के बाद एक बाउल में डालें। उसमें प्याज, धनिया पत्ती और नीबू का रस डालकर मिलाएं। गर्मागर्म सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-33

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

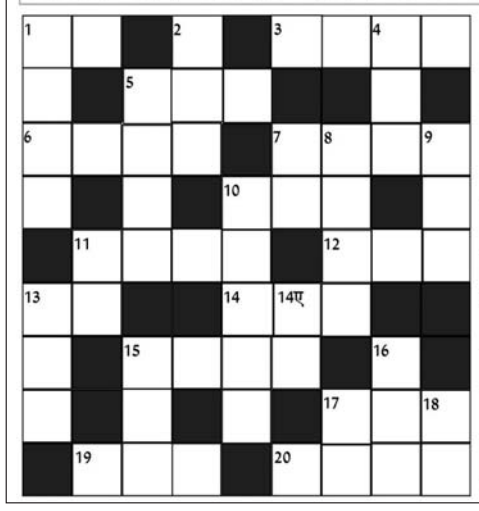

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 32 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सू-दोकू-33

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.32 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3